Tender Heart High School, Sector- 33-B Chandigarh.

कक्षा - नौवीं
दिनांक - 25 अप्रैल, 2024

विषय - हिन्दी साहित्य
शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

पुस्तक : एकांकी संचय

पाठ-2 'बहू की विदा' (एकांकी) लेखक - विनोद रस्तोगी

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए :-

"अगर तुम्हारी सामर्थ्य ---------- नाता क्यों जोड़ा ?"

प्रश्न (क) उपर्युक्त कथन किसने, किससे कहा है ?

उत्तर - उपर्युक्त कथन रमेश के पिता जीवनलाल ने अपनी बहू कमला के भाई प्रमोद से कहा है। प्रमोद पहले सावन पर अपनी बहन को घर ले जाने के लिए आया है। जीवनलाल धनी होते हुए भी लोभी व्यक्ति है। आशा के अनुसार दहेज न मिलने के कारण वह रमेश के ससुरालवालों से नाराज़ है। इसलिए वह अपनी बहू को विदा करने से मना कर देता है।

प्रश्न (ख) श्रोता ने अपनी सामर्थ्य के संबंध में क्या कहा ?

उत्तर - श्रोता प्रमोद है। वह कमला का भाई है। जीवनलाल के द्वारा पूरा दहेज न मिलने की बात सुनकर वह कहता है कि अपनी सामर्थ्य के अनुसार हमसे जितना हो सका, हमने दिया है।

प्रश्न (ग) 'झोंपड़ी' तथा 'महल' से वक्ता का संकेत किस-किस ओर है ?

उत्तर - 'झोंपड़ी' से वक्ता जीवनलाल का संकेत अपनी बहू कमला के गरीब मायके वालों की तरफ़ है और 'महल' से उसका संकेत स्वयं अपनी ओर है क्योंकि वह एक धनी व्यापारी है।

प्रश्न (घ) वक्ता किस बात पर क्रोधित है तथा क्यों ?

उत्तर - जीवनलाल इस बात से क्रोधित है कि वह महल में रहने वाला अमीर आदमी है और कमला के मायके वाले झोंपड़ी में रहने वाले गरीब लोग हैं। इसलिए वह प्रमोद से कहता है कि अगर तुम्हारी सामर्थ्य कम थी तो तुमने मुझ जैसे अमीर और इज़्ज़तदार आदमी से नाता क्यों जोड़ा ? तुमने अपनी बहन की शादी में न पूरा

दहेज किया और न ही बारात की खातिरदारी की। इससे उसकी इज़्ज़त कम हो गई है।

(ii) "ये बाल धूप में सफ़ेद नहीं हुए हैं और तुम ---- कल के छोकरे मुझे बेवकूफ़ बनाना चाहते हो!"

प्रश्न (क) उपर्युक्त कथन में कौन किससे बात कर रहा है? 'बाल धूप में सफेद नहीं किए हैं' — से उसका क्या आशय है?

उत्तर - प्रस्तुत कथन में जीवनलाल प्रमोद से बातें कर रहा है। 'बाल धूप में सफेद नहीं हुए हैं' — इस वाक्य के द्वारा जीवनलाल अपनी बहू कमला के भाई प्रमोद को बताना चाहता है कि वह प्रमोद की बातों में नहीं आने वाला। प्रमोद उसे मूर्ख बनाने की कोशिश न करे, वह प्रमोद से ज्यादा अनुभवशील है।

प्रश्न (ख) वक्ता ने उपर्युक्त कथन श्रोता के किस कथन के उत्तर में कहे हैं?

उत्तर - जब श्रोता अर्थात् प्रमोद ने वक्ता जीवनलाल से कहा था कि आप इस समय कमला को विदा कर दें, हम गौने में आपकी हर माँग पूरी करने की कोशिश करेंगे। तब प्रमोद की यह बात सुनकर जीवनलाल आवेश में आ जाता है और उपर्युक्त कथन कहता है।

प्रश्न (ग) वक्ता की क्या माँग थी?

उत्तर - जीवनलाल का मानना था कि उसे अपने बेटे रमेश के विवाह में पूरा दहेज नहीं मिला था। अत: वह यह चाहता था कि प्रमोद पहले पाँच हज़ार रुपए उसके हाथ पर रखे तभी वह अपनी बहू को उसके मायके भेजने की अनुमति देगा।

प्रश्न (घ) वक्ता के अनुसार उसके नाम पर क्या धब्बा लगा था?

उत्तर - जीवनलाल के अनुसार उसके नाम पर यह धब्बा लगा था कि उसने अपने बेटे की शादी एक छोटे घर में (गरीब परिवार) में कर दी है। उसे अपनी माँग के अनुसार दहेज नहीं मिला, लड़की वालों ने बारात की खातिरदारी भी ठीक से नहीं की। इससे पूरी बिरादरी में जीवनलाल की हँसी हुई है। इस बात को वह अपनी इज़्ज़त पर अपने नाम पर धब्बा लगने के समान समझता है।